



प्राथमिक सुंदर सुलेख · BOOK 2 OF 3

AGES 6-9 · CLASS 2 · CLASS 3 · CLASS 4

FOUR-LINE GUIDED RULINGS

प्राथमिक सुंदर सुलेख: कबीर के अमर दोहे एवं रहीम नीति वचन

पुस्तक २: कबीर दोहे व रहीम नीति

प्राचीन भारतीय संत साहित्य, जीवन मूल्य, मधुर वाणी एवं सदाचार सुलेख साधना।

मुख्य अभ्यास वर्णमाला (PRACTICE FOCUS)

कबीर

वाणी

रहीम

 विद्यार्थी विवरण (STUDENT WORKBOOK PASSPORT)

Classroom & Homeschool Ready

STUDENT NAME:

CLASS / GRADE:

ACADEMIC YEAR:

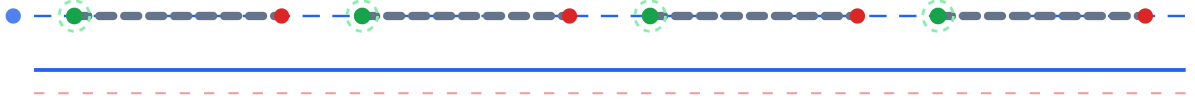
SCHOOL / LEARNING CENTER:

दोहा सुलेख संरेखण: विराम चिन्ह व यति अभ्यास (Poetic Punctuation)

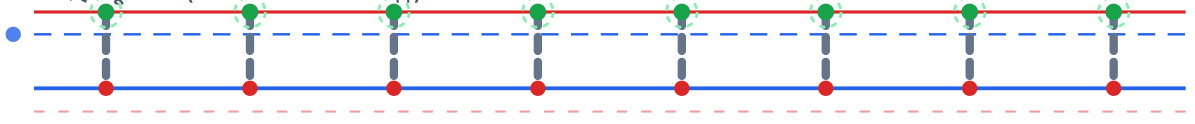
दोहे के दोनों चरणों, अल्पविराम (,) तथा दोहरे पूर्णविराम (||) का संरेखण अभ्यास करें।



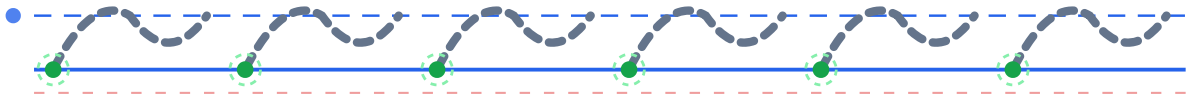
१. छंद शिरोरेखा प्रवाह (Chhand Flow Lines)



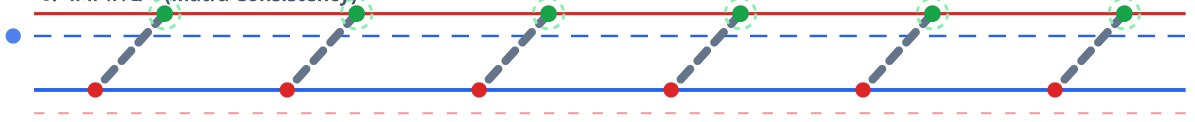
२. दोहरा पूर्णविराम (Double Purna Viram ||)



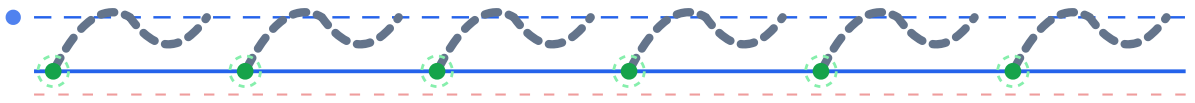
३. अल्पविराम यति अभ्यास (Comma Pauses)



४. मात्रा संरेखण (Matra Consistency)



५. अक्षर अनुपात (Letter Proportion Balance)



कबीर दोहा १: मीठी वाणी का प्रभाव (Sweet Speech)

ऐसी वाणी बोलिए जिससे मन को शांति मिले और दूसरों को भी सुख पहुंचे।

Model

ऐसी बानी बोलिए,

Trace

ऐसी बानी बोलिए,

Write



Model

मन का आपा खोय।

Trace

मन का आपा खोय।

Write



Model

औरन को सीतल करै,

Trace

औरन को सीतल करै,

Write



Model

आपहु सीतल होय॥

Trace

आपहु सीतल होय॥

Write



कबीर दोहा २: समय का अनमोल महत्व (Value of Time)

कल का काम आज और आज का काम अभी करें, क्योंकि समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता।

Model

काल करे सो आज कर,

Trace

काल करे सो आज कर,

Write



Model

आज करे सो अब।

Trace

आज करे सो अब।

Write



Model

पल में परलय होगी,

Trace

पल में परलय होगी,

Write



Model

बहुरि करेगा कब॥

Trace

बहुरि करेगा कब॥

Write



कबीर दोहा ३: गुरु महिमा का बखान (Glory of the Guru)

गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा है क्योंकि उन्होंने ही ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाया।

Model

गुरु गोविंद दोऊ खड़े,

Trace

गुरु गोविंद दोऊ खड़े,

Write



Model

काके लागूं पाय।

Trace

काके लागूं पाय।

Write



Model

बलिहारी गुरु आपने,

Trace

बलिहारी गुरु आपने,

Write



Model

गोविंद दियो बताय॥

Trace

गोविंद दियो बताय॥

Write



कबीर दोहा ४: सज्जन संगति व गुण ग्राहकता (Virtue Seeking)

सूप के समान सारतत्व ग्रहण करें और निरर्थक बातों को छोड़ दें।

Model

साधु ऐसा चाहिए,

Trace

साधु ऐसा चाहिए,

Write



Model

जैसा सूप सुभाय।

Trace

जैसा सूप सुभाय।

Write



Model

सार-सार को गहि रहै,

Trace

सार-सार को गहि रहै,

Write



Model

थोथा देई उड़ाय॥

Trace

थोथा देई उड़ाय॥

Write



रहीम नीति वचन १: प्रेम का धागा (The Thread of Love)

प्रेम रूपी धागे को झटके से न तोड़ें, क्योंकि टूटने पर गांठ पड़ जाती है।

Model

रहीमन धागा प्रेम का,

Trace

रहीमन धागा प्रेम का,

Write



Model

मत तोड़ो चटकाय।

Trace

मत तोड़ो चटकाय।

Write



Model

टूटे पे फिर ना जुड़े,

Trace

टूटे पे फिर ना जुड़े,

Write



Model

जुड़े गांठ परि जाय॥

Trace

जुड़े गांठ परि जाय॥

Write



रहीम नीति वचन २: वृक्ष व सरोवर का परोपकार (Selfless Service)

जैसे पेड़ फल और सरोवर पानी नहीं पीते, वैसे ही सज्जन दूसरों की भलाई करते हैं।

Model

तरुवर फल नहीं खात है,

Trace

तरुवर फल नहीं खात है,

Write



Model

सरवर पियहि न पान।

Trace

सरवर पियहि न पान।

Write



Model

कहि रहीम पर काज हित,

Trace

कहि रहीम पर काज हित,

Write



Model

संपति सचहि सुजान॥

Trace

संपति सचहि सुजान॥

Write



रहीम नीति वचन ३: छोटे-बड़े सभी का आदर (Respecting All)

बड़े को देखकर छोटे की उपेक्षा न करें, क्योंकि जहां सुई काम आती है वहां तलवार व्यर्थ है।

Model

रहीमन देखि बड़ेन को,

Trace

रहीमन देखि बड़ेन को,

Write



Model

लघु न दीजिए डारि।

Trace

लघु न दीजिए डारि।

Write



Model

जहां काम आवै सुई,

Trace

जहां काम आवै सुई,

Write



Model

कहा करै तरवारि॥

Trace

कहा करै तरवारि॥

Write



कबीर दोहा ५: अहंकार त्याग व विनम्रता (Humility)

खजूर के पेड़ जैसा बड़ा होना व्यर्थ है जो न तो छाया देता है और फल भी दूर लगता है।

Model

बड़ा हुआ तो क्या हुआ,

Trace

बड़ा हुआ तो क्या हुआ,

Write



Model

जैसे पेड़ खजूर।

Trace

जैसे पेड़ खजूर।

Write



Model

पंथी को छाया नहीं,

Trace

पंथी को छाया नहीं,

Write



Model

फल लागे अति दूर॥

Trace

फल लागे अति दूर॥

Write



अमर सुभाषितः तैत्तिरीय उपनिषद् सूत्र (Sacred Subhashita)

भारतीय संस्कृति के पावन सूत्रों का निष्ठापूर्वक सुलेख करें।

Model

मातृ देवो भव,

Trace

मातृ देवो भव,

Write



Model

पितृ देवो भव।

Trace

पितृ देवो भव।

Write



Model

आचार्य देवो भव,

Trace

आचार्य देवो भव,

Write



Model

अतिथि देवो भव॥

Trace

अतिथि देवो भव॥

Write



OFFICIAL COMPLETION CERTIFICATE

CERTIFICATE OF ACHIEVEMENT

PENCILING.IN PENMANSHIP PROGRAM



कबीर-रहीम नीति सुलेख रत्न!

This award is proudly presented to:

STUDENT NAME

कबीर के दोहों एवं रहीम के नीति वचनों की पावन सुलेख यात्रा को पूर्ण करने पर।

DATE OF AWARD

TEACHER / PARENT SIGNATURE

